

मय नमः खन ॐ

हो किं नृत्तु जा कि रुठ स्वाहा ॥ १०० ॥ मय नमः खन कया
नमः खन क इत्य या न ॥ ॐ वडम हा लष नः पवि ॐ द न ॥
य १०० रुठ स्वाहा ॥ मल रुक लष ऊ या ना नः नः सम गाल क ॥
॥ विया मालः वृका दूथ कडीः वान प्या डीः वान मय्या डी व
यल सिः म न शुय कपू न या न म दय केः थन लिनः स गुया
लासा सः लिव स हा ला डी ना थ मं ना प या ना १०० दू वी या डी यि ॐ

थया लि। काय विधि पलया हा काया डी रुयः मा ना का वा कः
स क स वृ य ला य डी ॥ ॥ वृ दू वा या ऊ गु लि सः स गु या रि व प
ल वि संः मा क ल या स न ना क प्याः का यु कं या ल वि स्य थ वि
प न नं म रु न न ल वि ला य म रु यि डी ॥ रु न डी रु यि डी ॥ स १३
स रु या वि स रु म म रु ठा रु नः रु का वि स ड म य का य डि डी व
॥ ॥ स का व या ख ड याः वृ ल जा रु का का या डी रु ला डी स पा का

४०
म
५
५
५

डा नय थ सला डा सः अफ्रया रिवनया डा पि कायु स्य नयः रिवका
य सफरस्य का निडा थ प न डा थ सला डा दू वना सला य डा पि
फायफर ० डा ॥ ० ॥ कायया हिन सला याल सः अफ्रया ना स
शया डा डा या विसनया डा नय थ डा ल नाः कायन दायान डा
नि डा थ सला डा वान ना स्यन कायन ना ल नि डा ॥ ॥ कूसला
या वः मा स या वू सिवाया दू दू वधि जा नि थ ति ससरा गनिना

डा कून के थ डा सला नदयु डा ॥ लि कायां दू द का अ वन इय
का ॥ ॥ हल भल हल मल अ वाल सल थ नया वान अ ना
डा नाय नि स क सव या डा नया ना ल ना डा दू य थ क दू न अ
व स्यन सव दू य नि भा व कि डा ॥ ॥ व स क नया हां लि व सि
न डा सि रिव सनय व स वां कू सि सियु डा क क लिया का द्वा स द्वा
स थ का डा थ क लिया दा क क थ का डा क क लिया दा क स न दू

यकः स्वमगनधकायासिय ॥ १॥ नृकायानयावृत्तनति
यगाजपियलिकुमा निलाडा एक सानमनयययुयकं क
नधसकुसिदकासियुडा ॥ ॥ नायुजला निदिनयाहा
कुसलयाहा जगसिया सगुबुलिविलि सिधकादाहाहा
सिलासवालजसि-थ नसमरागयानाडा रुद्र नवृथथन
विष्टुसिदकाधसः कुसियनिक्र थ तिनाभावयडा ॥

हलजगवलः वालदवि हललदजगवृसियावृधसंयनिक
किंक्रसिभावका ॥ ॥ सितलायलाविदिसि कुसलहाथनि
समरागयानान रुद्र नवृथथन धसंयनी कुसि क सिदका
सियुडा ॥ ॥ ॥ थअसरादयक सऊयागकाधंदायक रि
पयमही केरुनासमराहल क वसकु सिमदयक वनि
मदयक कुसिमदयक विष्टु सिधसकु सिधनिक्र सिमलक

ॐ नमः ४ श्री चंद्रमहाबाषनाय ॥ ॥ ॐ वं ह्रुमहाबाषनामसकस्यप्रथ
ताः कलिकलहाः विग्रहः विवादसर्वसंप्रयोजकं नृहंरुद्रात्वा
पूया ॥ ॐ वं ह्रुमहाबाषनामसकस्यप्रथमावयवकं नृहंरुद्रात्वा
कुरु कुरु नयायगु ॥ ॐ वं ह्रुमहाबाषनामसकस्यप्रथमावयवकं नृहंरुद्रात्वा
वाचय १ हंरुद्रा ॥ मफ्याऊस ॐ कयकयायगु ॥ मसानयात्त
उकाराः नृ १ ॥ अथ याता क्रि क्रि क्रिया न उलिसः स्या नयूया

ठाफ्याऊसः न उहंलाविय ॥ ॐ वं ह्रुमहाबाषनामसकस्यप्रथ
उच्चाकसानयाय १ कुल नृहंरुद्रा ॥ वया वया प्रकाया ॐ मनुयाता
मसानस नय यं के ॥ लिकोयगु ॥ ॥ ॐ वं ह्रुमहाबाष
नः ॐ नमः ४ समं नावूहानामाजावलन जावलन द द हंरुद्रात्वा
ता १ ॐ वं ह्रु ॥

श्रुदिका॥ अथ विविधा॥ युका नका पाद व का विवर्तन कसि
 कनिडास्याः वृषस्वान्त कन हान स्वान्तः सम लो गान गनुनिका॥ डल
 पानि संन्ती॥ ॥ पद्म प्रकृपातः डलल हावाल सि डलल यः वकाः
 वृड ऊवः पनाससिः वाकु समल गान वयल सः व रु थंकाः गनुनिका
 नाग यान नायु पाग यनि॥ ॥ समन्तामूलः अग्नि सिमाः इ
 न धालामूलः विद्या झा॥ ॥ ॥ पा धाल न क व दनः क र्थल

श्रीषुदः कसलि चन्द्रसिः वृक स्वान्तः पंखल त ल रसला वन
 पंख विदिः प्रसि हायाल वः दे स्य का या डीः लष न सं नितियः गव
 वि नसा दू द न सं ॥ अं म ह हिति कृत्यां दू व या वृन्त स्वाहाः
 ॥ १००० ॥ जाय ॥ लं व वृ ड थ स थ नः ना ये गान क विधि इ
 ल ॥ ॥ का नायु क्रि पं के विदिः श्रीषुद ससु ड रु क सवापा
 डल स्वान्तः वाकु न विमूलिः हाकु डिः डि क रु लः थ सि क

नित्या ध्याता सिद्धायः समरागाननित्या लघवः अथ स थूत
अमरसुबुनिकेत ॥ ॥

ॐ नमः श्रीगुरुभ्यो नमः श्रीकर्मपात्राभ्यो नमः स्कात्रः
कुरु विदंथ लिथा वरिष्ठः संक्षयकठ वानू दूआरु ध्याता व
किदु वा ॥ ॥ थिससाद्य धदाय क वादा नाकदु प्रसूमा
दूधुधधः वारिष्ठदूदासंघिः माखेरवः खनारु युदूः याथिं
धिवः यषस्यः दिनिकिः हिवासः यथंकिः न पू वृथं स थवा
नमूलकू ॥ ॥ दावसं वा सद्य वषावसः वा वृथाकाः वाः

लास्याः लिङ्गनिष्ठा च त्वेः नि थं थुने निन्मा ला ॥ ॥ जयास्
०॥ का जी वा वा ॥ ॥ र्या वा मवः द्युतुतुः वयुन्मः कृष्ट
निः कथं थंः मूकसा थं थं कान्ता सा स्यावला ॥ ५ ॥ इति
क्रान्तः यथा द्याव यथा थलाः व्यास्यथः कृष्टा वा कि
थला हिलाः का व थु वला ॥ ७ ॥ सा नाः सा व न्य नम्यदा
वदा नादाः एसा मा ल्यदा वृसा दामधि शु द नि मि स्म

कुला धि कु नि दि स्थ य थं द्या ला इति कि लि म्बू की ठ
थु सा ल्य द्स्व ४ ॥ १ ॥ थु ने द्या क स क ल्य जाना ठा य ल्य या ठा
व स तु क्क स तु सा ला ॥ गव रु र्यु ग्य ३ सु ठा ठा कि का याः
ठाः दया द्स्व सः न या ठाः न म स्का के ल यो य ना म का य
नि मि त का यः ठा क म थ न का नि स व स या या ठाः द्याः
य स नि स व नि ७ ७ ७ ७ ७ ७ ७ थ थ थ थ थ थ

श्रीमद्भगवद्गीता

1.22*

ASHA ARCHIVES

काः जाकिवव नगव जा कि जा। ता शुवव १००० निस्येनयः सं
नुथ ॥ ॐ निमायनमः ॥ ॐ दा अयनमः ॥ ॐ मिमायनमः
॥ ॐ ह्यायनमः ॥ ॐ रू वनमः ॥ ॐ यस्यायनमः ॥
ॐ यवायनमः ॥ ॐ न द्रा स म यो न न म स का ॥ ॥ वनः
ॐ ॐ रु क उ गु या य लि रु स्वयः ॥ ॐ दि ह्य वा ल अ ल स ति
मा या जा य न द सा सं म सं म हि रु स न किं नि स स्या क दि य

रु डा हा हि स्या क दि य रु डा म हि रु रु य ॐ का र्थ म सि ध
थ म हि यो के पु ला य ऊ ऊ द डा दि न ८॥ १॥ १२॥ द न स
ग ने सु त्वा ल लं स स हि ना द् सिक द्या ल स र व सि धि द्वा द्
निल र्थ सः स ल म ग्ग का द् थ किं द् वि क ति क्का य सि न य
निक स र्थ मि थि रु य र्थ क न द् व वि य र्थ द्वा य र्थ नि
म हिं मृ त्पू म द् थ यं गु वा नि गु र्थ न र्थ यि स र्थ थ यो दा

षट् ॥ लाग मादस्ययूनवातमद्विनिःवायुविकालस्ययनस्याक
 : ऊलस्याकनयसयययुलुकायाः द्वियनयता आउल आयंरु
 रुयः सवनकागयादूला ऊल रुयासद्विकलागीति म्दथया
 सांति ॥ याथ ॥ रुयाय बागी मात लुयकं हिमसि विस्वकयुजा
 नांतां यनसकयुजासूर्यमनमान १२ घूसिय २२ किर अउमय रुडयान १
 धागी सुह ॥ स्वनरुयायनितालिमवा कृदुभयसक्ति आउ मवयतामशु आ अमकव सु
 नसदयो वा धनलानि पुमाउ रुयुका ऊवत ऊ नास ममनम रु आस मद्रुं ययुग
 न्दुव ॥ रुदुदधिरा रु ऊयनता आ सुउयुखिवा द रु १ मलललिधरु

नित्युताव्यादावशुलसावधि ५॥ व दता रु १ मरिदि ६ कृता ॥ ॥
 सोमवालसलासादाउमया जायनला वमदतासक लंलिं सर्वकार्यसिधिरुय
 मवमिवमिहा रुयं रु मिऊ रुयफतठं नयाद्वन रुयासादयु रियतसंदय
 ननसालयुहा कृष्णालमपासला तसं सिधिये दे रु सद निता रुसव लायस
 यतायु सयनत सुलिलायु उधव सुलिला ऊयं रु वूया रु सद निषूयावा
 लसला निद रुमद ३० धुव रुड कव रुसिमाकासधुना ठानता ऊसिस
 रुयु रुययाव रुलसा रु रु थिलय बागीया रुताः वलिलि रुयं रु रुताद
 यता मला कालि नयु रुताया थमनि वलिलि रु विला रुयं रु रुता

धर्मासनाकुलवीनसूरेः॥

